

टैगोर के साहित्य से देश को पहला नोबेल पुरस्कार प्राप्त हुआ- राज्यपाल

लखनऊ: 8 मई, 2016

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज लखनऊ बंगीय नागरिक समाज द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर की 155वीं जयंती पर जिलाधिकारी आवास के सामने स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करके अपना आदर व्यक्त किया। संस्था बंगीय नागरिक समाज द्वारा गुरुदेव टैगोर की प्रतिमा के समक्ष 155 दीप जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर विधायक डा० रीता बहुगुणा जोशी, पूर्व पुलिस महानिदेशक श्री के०एल० गुप्ता, भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य महाप्रबंधक श्री गौतम सेन गुप्ता, श्री मीर अब्दुल्ला जाफर, श्री सुधीर हलवासिया सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में रवीन्द्र नाथ टैगोर द्वारा रचित 31 पंक्तियों वाला सम्पूर्ण 'जन गण मन' गान प्रस्तुत किया गया।

राज्यपाल ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि आज रवीन्द्र नाथ टैगोर की 155वीं जयंती है। 'पिछले साल भी मैं आया था। तब और अब में दो अन्तर हैं। गये समय पर 154 दीप जलाये गये थे और अब 155 दीप जलाये गये हैं तथा पिछले साल रवीन्द्र नाथ टैगोर की प्रतिमा पर प्रकाश की कोई व्यवस्था नहीं थी, जिसके लिए बंगीय समाज ने मुझसे अनुरोध किया था। दो दिन पहले ही मैंने जिलाधिकारी लखनऊ से प्रतिमा पर प्रकाश व्यवस्था के संबंध में बात की थी। मुझे प्रसन्नता है कि काम कैसे होना चाहिए, जिलाधिकारी लखनऊ ने करके दिखाया।' उन्होंने बंगीय समाज को आश्वासन दिया कि जैसे प्रतिमा पर प्रकाश की व्यवस्था हो गयी है उसी तरह उनकी अन्य मांगों पर भी विचार किया जायेगा।

श्री नाईक ने कहा कि गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर की यह विशेषता है कि उनके साहित्य से देश को पहला नोबेल पुरस्कार प्राप्त हुआ। गीतांजलि का कई विदेशी भाषाओं में अनुवाद हुआ। ऐसा भाग्य कम साहित्यकारों को मिलता है। गीतांजलि को नोबेल पुरस्कार मिलने से भारतीयों का सीना गर्व से चौड़ा हो गया था। टैगोर ने बांग्ला और अंग्रेजी के अलावा हिन्दी में कबीर और सूरदास पर भी लिखा। दो राष्ट्रों के राष्ट्रगान बनाने का श्रेय अकेले रवीन्द्रनाथ टैगोर को जाता है। 'वंदे मातरम' और 'जन गण मन' दोनों हमें बांग्लाभाषी साहित्यकारों से मिले हैं। गुरुदेव के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यहीं होगी कि उनके दिखाये मार्ग पर चलने का संकल्प लें। राज्यपाल ने कहा कि हमें यह भी संकल्प लेना होगा कि जिस प्रकार गुरुदेव टैगोर ने देश का नाम ऊंचा किया, उसी तरह हम भी देश को नयी ऊंचाई पर ले जायें।

राज्यपाल ने इस अवसर पर अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 12 महिलाओं को स्मृति चिन्ह, शाँल व पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। सम्मान प्राप्त करने वाली महिलाओं में डा० रीता बहुगुणा जोशी, डा० साबरा हबीब, श्रीमती सुतापा सान्याल आई०पी०एस०, श्रीमती माधवी कुकरेजा, श्रीमती माधुरी हलवासिया, श्रीमती पुष्पलता अग्रवाल, सुश्री सुरभि टण्डन तथा श्रीमती सुनीता झिंगरन शामिल थीं। सुश्री श्वेता गर्ग, सुश्री रुना बनर्जी, कुलपति श्रीमती श्रुति सडोलीकर काटकर और महंत देव्यागिरी शहर से बाहर होने के कारण सम्मान समारोह में उपस्थित नहीं हो सकी। कार्यक्रम में स्वागत भाषण श्री पी०के० दत्ता मुख्य संयोजक ने दिया।

अंजुम/ललित/राजभवन (175/10)



विश्वकवि गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर
की प्रतिमा का अनावरण
मा.श्री कल्याण सिंह मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश
के कर कमलों द्वारा
मा.श्री लालजी टंडन (श्री. वाक्य रत्न कला विश्वविद्यालय
की अध्यक्षता में
मा.श्री सतीश महता (राज्य मंत्री नगर शिक्षा) द्वारा
मा. डा. एस.सी. राय, नगर प्रमुख तखतगढ़
एवम्
मा.श्री विद्यासागर गुप्त, शिक्षक पूर्व क्षेत्र
की विशिष्ट उपस्थिति में
दिनांक 22 जून 1999 को सम्पन्न हुआ
नारिन्दु सिंह चौहान
क्षेत्रीय सहायक, रा.
श्री. वाक्य रत्न कला विश्वविद्यालय
श्री. वाक्य रत्न कला विश्वविद्यालय, विपदी
श्री. वाक्य रत्न कला विश्वविद्यालय



प्रकाश व्यवस्था के बाद रवीन्द्र नाथ टैगोर की प्रतिमा



